जनसंख्या और आर्थिक विकास

- जनसंख्या उत्पादन का प्रमुख साधन और जीवन दशाओंसुधार करना अर्थव्यवस्था के समस्त कार्यो का अंतिम उद्देश्य है | अत्यधिक जनसंख्या वाले देशों में चीन के बाद भारत का स्थान है किसी देश की जनसंख्या की विशेषताओं में होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण करने हेतु जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है |
- जन्मदर और मृत्युदर के आधार पर इसका विश्लेषण किया जाता है | अर्थशास्त्रियों के अनुसार संक्रमण की चार अवस्था के आधार पर विश्लेषण करते है |

1) उच्च स्थैतिक अवस्था

- इस अवस्था में अल्प विकसित अर्थव्यवस्था के लक्षण दिखायी देते है यह अवस्था कृषि प्रधान व अल्पविकसित देश में पायी जाती है | लोगों में शिक्षा का अभाव ,प्रभावशाली स्वास्थ्य का अभाव,सामाजिक प्रथायें,भुखमरी कुपोषण आदि पाये जाते है |
- जिसकी वजह से जन्मदर,उच्च होने के साथ मृत्यु दर भी अधिक होती है जिसकी वजह से संतुलन बना रहता है लोगों में जीवन प्रत्याशा भी कम पायी जाती है जिसका कारण अकाल,महामारी,युद्ध आदि का प्रकोप होता है |

2) प्रारंभिक बुद्धिमान अवस्था

- इस प्रकार की अर्थव्यवस्था विकासशील देश में पायी जाती है आय स्तर में वृद्धि तथा आर्थिक विकास के कारण सर्वांगीण सुधार होता है |अच्छी स्थिति में खाद्यान्न की उत्पादन में वृद्धि होती है,स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी से मृत्युदर में कमी तथा जन्मदर पूर्ववत बनी रहती है और जनसंख्या विस्फोट की स्थिति हो जाती है |

3) जनांकिकीय संक्रमण की तृतीय या उत्तर बुद्धिमान अवस्था

- इस अवस्था में आर्थिक विकास कृषि से परिवर्तित होकर कुछ हद तक औद्योगिक हो जाता है जिस कारण ग्रामीण क्षेत्र से लोग शहर की ओर जाने लगते है इस तरह नगरीकरण की प्रक्रिया होने लगती है | लोगों का झुकाव मूल परिवार की ओर होने लगता है |
- इस प्रकार तृतीय अवस्था में निम्न मृत्यदर के साथ जन्मदर भी निम्न होने लगती है जिसके परिणाम स्वरूप जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि कम हो जाती है |

4) निम्न स्थैतिक अवस्था

- यह विकसित अर्थव्यवस्था से संबंधित है जिसमें मृत्युदर और जन्मदर दोनों निम्नतर स्थिति में होती है | अत्यधिक,औद्योगिक,नगरीकरण,सामाजिक आधुनिकरण का तेजी से वृद्धि के कारण लोग कम बच्चे पैदा करते है जैसे-संयुक्त राज्य अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया |

भारतीय अर्थव्यवस्था के जनांकिकीय तथ्य :

- जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है |
- विश्व में प्रथम जनगणना 1749 में स्वीडन में की गयी थी |
- दशकीय जनगणना की शुरुआत 1790 में अमेरिका तथा 1801 में ब्रिटेन में की गयी थी |
- भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी | इस दौरान देश के भागों मे गैर संक्रमिक ढ़ंग से जनगणना की गयी थी |
- 1881 में लॉड रिपन के समय से भारत में प्रत्येक 10 वर्ष के अंतराल पर विधिवत ढ़ंग से जनगणना की जाती है |
- स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी | वर्तमान 2011 की जनगणना 15वीं तथा स्वतंत्रता भारत की 7वीं जनगणना है |
- प्रथम जनगणना आयुक्त डब्ल्यु सी. प्लॉडेन थे |
- भारत की जनसंख्या की वृद्धिदर को चार अवधियों में व्यक्त किया जाता है |

1. 1891-1921 वर्ष को अवरूद्ध जनसंख्या या जनसंख्या की स्थिराव्स्था कहते है | इस काल में भारत जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्थाओं में था | 1921 को महान विभाजन वर्ष कहा जाता है |
2. 1921-51 वर्ष तक को मर्यादित वृद्धि या स्थिर की अवस्था कहते है | इस काल में मृत्युदर में कमी हो गयी जिसका मुख्य कारण महामारियों पर नियंत्रण करना था |
3. 1951-81 वर्ष तक को तीव्र ऊँची वृद्धिदर की अवस्था कहते है | इस अवधि में जनसंख्या विस्फोट हुआ |

4. 1981-2001 वर्ष में उच्च वृद्धि परन्तु मंद होने के लिए चिन्ह मिले है |

- जब तक परिवार कल्याण और नियोजन कार्यक्रमों का प्रभाव व्यक्त नही होता है तब तक भारत जनांकिकीय संक्रमण की तृतीय अवस्था में प्रवेश नही कर सकता है |
- भारत में जनगणना 1931 में कराई गई थी |
- भारत विश्व का प्रथम देश है जहाँ वर्ष 1952 में जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम आधिकारिक रूप से प्रारंभ किया गया |
- ब्रिटिश शासन काल में 1872 में प्रथम बार जनगणना कराई गयी थी |
- 11जुलाई,1987 को विश्व जनसंख्या 5 अरब के बिंदु को पर कर गयी तभी से 11 जुलाई की 'विश्व जनसंख्या दिवस' के रूप में मनाया जाता है |
- नयी जनसंख्या नीति के अनुसार प्रत्येक राज्य की लोकसभा की सीटें 1971 जनगणना के आधार पर 2026 तक बनी रहेगी |
- आंध्रप्रदेश पहला राज्य है जिसने 1997 में अपनी जनसंख्या नीति घोषित की |
- सितम्बर 2004 में भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा पहली बार धर्म के आधार पर प्रथम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया |

जन्मदर

- जन्न क्षमता निम्न तीन कारणों पर निर्भर करती है -

  1.स्त्रियों की विवाह उम्र

  2.जन्न क्षमता की अवधि

  3.परिवार में वृद्धि की गति
- विवाह आयु में कमी जन्न क्षमता को कम करती है जिसके परिणाम स्वरूप जन्मदर में कमी होती है | इसलिए 1929 में बाल-विवाह प्रतिबंध अधिनियम जी शारदा कानून के नाम से प्रसिद्ध है, पारित हुआ |
- भारत की जनसंख्या नीति 16 अप्रैल,1976 से शारदा अधिनियम को स्थानान्तरित करके विवाह योग्य आयु की अधिकतम सीमा लडकियों के लिए 18 वर्ष व लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गयी |
- आपात काल के दौरान 16 अप्रैल,1976 को सरकार ने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की घोषणा की | जिसका उद्देश्य जनसंख्या विस्फोट को रोकना था | इस दौरान केन्द्रीय अधिनियम द्वारा जबरन नसबंदी कार्यक्रम लागू किया गया |

जनसंख्या का घनत्व -

- जनघनत्व का अर्थ है किसी देश में रहने वाले व्यकितयों की प्रति वर्ग किलोमीटर औसत संख्या से है |
- जनघनत्व के आधार पर भारत का स्थान मध्यम जनघनत्व वाले देशों से है जनघनत्व न तो किसी देश की निर्धनता का सूचक है और न ही सम्पन्नता का है |

राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग

- 11 मई,2000 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 100 सदस्यीय राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग का गठन किया गया | राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग पहले योजना आयोग के अंतर्गत था | मई 2005 में पुनगर्ठित करके इसे केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को सौंप दिया गया |

जनसंख्या नीति

- भारत में जनसंख्या वृद्धि की गंभीरता से लिया गया तथा तीसरी योजना में जनसंख्या वृद्धि की दर को उचित समय अवधि के अंदर सीमित करने का निर्णय किया गया | तीसरी में अनर्तगर्भाय उपकरण को पहली बार अपनाया गया |
- नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 15 फरवरी,2000 के घोषित हुआ,जिसका उद्देश्य दो-बच्चों के मानक को प्रोत्साहित करना था ताकि सन 2045 तक जनसंख्या को स्थिर किया जा सकें |
- वर्ष 2011 में देश 15वीं जनगणना के साथ-आर्थिक गणना भी हुई |

आर्थिक गणना

- देश की सभी व्यावसायिक इकाइयों की जो गणना होती है उसे आर्थिक गणना के नाम से जाना जाता है | पहली आर्थिक गणना वर्ष 1977 में हुई थी,तब से वर्तमान वर्ष 2011 तक 6 आर्थिक गणना हो चुकी हैं |

जनसंख्या सिद्धांतों तथा नीतियों से संबंधित कुछ पारिभाषिक शब्द :

- **अशोधित जन्मदर** - किसी विशेष वर्ष में जन्में पंजीकृत कुछ बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच अनुपात है प्राय: इसे प्रति 1000 व्यकित लिया जाता है |
- **अशोधित मृत्युदर** - किसी एक वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर मृतकों की संख्या को अशोधित मृत्युदर कहते है
- **शिशु मृत्युदर** - प्रति 1000 सजीव जन्में शिशुओं की संख्या के अनुपात में 1 वर्ष से कम आयु वाले मृत शिशुओं की संख्या |
- **बाल मृत्युदर** - किसी वर्ष में प्रति 1000 सजीव जन्में बच्चों को संख्या के संदर्भ में 0-4 वर्षो के बीच मृत बच्चों की संख्या |
- **जीवन प्रत्याशा**- वर्षो की संख्या जो एक नवजात शिशु को औसतन जीने की आशा की जाती है |
- **लिंग अनुपात**- प्रति 1000 पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या |

जनसंख्या संबंधी कुछ मुख्य तथ्य :

- भारत के महापंजीयक सी. चंद्रमौलि व केन्द्रीय ग्रह सचिव जी,के.पिल्लई ने 2011 की जनगणना के आकँड़े जारी किए |
- 2011 जनगणना का नारा था 'हमारी जनगणना हमारा भविष्य;|
- जनसंख्या रिपोर्ट,2011 के अनुसार भारत की जनसंख्या 1,21,01,93,422 करोड़ है जिसमें 62,37,24,24,248 पुरुष तथा 58,64,69,174 करोड़ महिलाएं है |
- 2011 भारत की 15वीं राष्ट्रीय जनगणना है जो 1 मई,2010 को आरंभ हुई थी | यह पहली बार है जब बयोमेटिक तरीके से जनगणना की गई |
- जनगणना कार्य 'जनगणना अधिनियम 1948' और इसके तहत बनाए गए जनगणना नियम सशोधित अधिनियम 1993 के तहत किया जाने वाला सबसे बड़ा शासकीय कार्य है |
- विश्व में स्त्री पुरूष का अनुपात 937:1000 पर है |
- भारत में जनसंख्या की भाग 2011 में 17.5% है जबकि चीन में 19.4% है |
- 2001-2011 के दौरान भारत में दशकीय वृद्धि-18.21 करोड़ है
- भारत के राज्यों में जनसंख्या दर सर्वाधिक मेघालय में 27.82% तथा न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि नागालैण्ड में 0.47% है |
- विश्व में 2011 में जनसंख्या का घनत्व - 45 व्यकित प्रति किमी० है |
- देश की जनगणना का कार्य दो चरणों में पूरा किया जाता है प्रथम चरण में मकान,सूचीकरण,और मकान गणना एंव राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर संबंधी कार्य,माह 16 मई से 30 जून,2010 के मध्य किया गया था |
- 9 से 28 फरवरी,2011 तक हुए द्वितीय चरण के कार्य में भरी जाने वाली परिवार अनुसूचियों में कुल 29 प्रश्न पूछे गए थे |
- इसमे परिवार में रहने वाले व्यक्तियों का विवरण,लिंग,आयु,वैवाहिक स्थिति,धर्म,भाषा,साक्षरता,किए जाने वाले कार्य उनका स्वरूप,निशक्तता,प्रवास,प्रजनन संबंधी सवाल थे |

HARYANA JOB ALERT

भारत की जनगणना 2011 :

भारत की कुल जनसंख्या	1,21,01,93,422 करोड़
पुरुषों की संख्या	62,37,24,248 करोड़
महिलाओं की संख्या	58,64,69,174 करोड़
2001 से 2001 के बीच दशकीय	जनसंख्या वृद्धि 17.64
लिंगानुपात	940 महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष
घनत्व (प्रति वर्ग किमी० में)	382
कुल साक्षरता का %	74.04%
कुल साक्षरता में महिला साक्षरता	65.46%
कुल साक्षरता में पुरुष साक्षरता	82.14%
छः साल के बच्चों में लिंगानुपात	914 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कें

Empowering Youth Empowering Nation
HARYANA JOB ALERT
हर सवाल का जवाब!

सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य राज्य जनसंख्या (करोड़ में)		न्यूनतम जनसंख्या वाले राज्य राज्य जनसंख्या(लाखों में)		सर्वाधिक जनसंख्या वाले घनत्व राज्य राज्य जनसंख्या(प्रति वर्ग किमी० में)		न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य राज्य जनसंख्या(प्रति वर्ग किमी० में)		सर्वाधिक साक्षरता वाले राज्ये राज्य जनसंख्या (प्रतिशत में)	
1.उत्तर प्रदेश	199,581,474	1.सिक्किम	6.07	1.बिहार	1,102	1.अरूणाचल प्रदेश	17	1.केरल	93.91
2.महाराष्ट्र	112,372,972	2.मिजोरम	10.91	2.पश्चिम बंगाल	1,029	2.मिजोरम	52	2.मिजोरम	91.58
3.बिहार	103,804,637	3.अरूणाचल प्रदेश	13.82	3.केरल	859	3.सिक्किम	86	3.त्रिपुरा	87.75
4.पश्चिम बंगाल	91,347,736	4.गोवा	14.57	4.उत्तर प्रदेश	828	4.नागालैंड	119	4.गोवा	87.40
न्यूनतम साक्षरता वाले राज्य राज्य जनसंख्या (प्रतिशत में)		सर्वाधिक लिंगानुपात (1000 पुरुषों पर) राज्य जनसंख्या (महिलायें)		न्यूनतम लिंगानुपात (पुरुषों पर) राज्य जनसंख्या (महिलायें)		सर्वाधिक महिला साक्षरता वाले राज्य राज्य जनसंख्या (प्रतिशत में)		न्यूनतम महिला साक्षरता वाले राज्य राज्य जनसंख्या (प्रतिशत में)	
1.बिहार	63.82	1.केरल	1,058	1.हरियाण	877	1.केरल	91.98	1.राजस्थान	52.66

2.अरूणाचल प्रदेश	66.95	2.तमिलनाडू	995	2.जम्मू-कश्मीर	883	2.मिजोरम	89.40	2.बिहार	53.33
3.राजस्थान	67.06	3.आंध्रप्रदेश	992	3.सिक्किम	889	3.त्रिपुरा	83.15	3.झारखंड	56.21
4.झारखंड	67.63	4.छत्तीसगढ़	991	4.पंजाब	893	4.गोवा	81.84	4.जम्मू-कश्मीर	58.01

केन्द्र शासित प्रदेश में जनसंख्या का घटता क्रम		केन्द्रशासित प्रदेशों में लिंगानुपात का क्रम		केन्द्र शासित प्रदेशों में साक्षरता का क्रम		केन्द्र शासित प्रदेशों में जनसंख्या घनत्व का घटता क्रम	
राज्य	जनसंख्या (करोड़ में)	राज्य	जनसंख्या (प्रतिशत में)	राज्य	जनसंख्या (प्रतिशत में	राज्य	जनसंख्या (प्रति वर्ग किमी॰ में)
1.दिल्ली	16,753,235	1.पाण्डिचेरी	1,038	1.लक्षद्वीप	92.28	1.दिल्ली	11,297
2.पाण्डिचेरी	1,744,464	2.लक्षद्वीप	946	2.दमन और द्वीप	87.07	2.चण्डीगढ़	9,252
3.चण्डीगढ़	1,054,668	3.अण्डमान और निकोबार	878	3.पाण्डिचेरी	86.55	3.पाण्डिचेरी	2,595
4.अण्डमानऔर निकोबार द्वीप समूह	379,944	4.दिल्ली	866	4.चण्डीगढ़	86.43	4.दमन और द्वीप	2,169
5.दादर और नगर हवेली	342,853	5.चण्डीगढ़	818	5.दिल्ली	86.34	5.लक्षद्वीप	2,013
6.दमन और द्वीप	242,911	6.दादर और	775	6.अण्डमान और	86.27	6.दादर और नगर	698

HARYANA JOB ALERT

		नगर हवेली		निकोबार		हवेली	
7.लक्षद्वीप	64,42	7.दमन और द्वीप	618	7.दादर और नगर हवेली	77.65	7.अंडमान और निकोबार	46

Empowering Youth Empowering Nation
HARYANA JOB ALERT
हर सवाल का जवाब!

Empowering Youth Empowering Nation
Go Green
Save Paper
Save Tree
Read Online
HARYANA JOB ALERT
हर सवाल का जवाब!